अध्यक्ष की कलम से

प्रिय शेयरधारको,

आपके बैंक के वित्त वर्ष 2010-11 के निष्पादन का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए मैं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। वर्ष 2010-11 की आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट भी भेज रहा हूँ जिसमें आपके बैंक की इस वर्ष की कुछ महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों एवं प्रयासों की जानकारी दी गई है।

वैश्विक विकास दर परिदृश्य में सुधार हुआ है, परंतु जोखिम अभी भी बना हुआ है। यद्यपि अमेरिका में विकास की दर धीरे-धीरे बढ़ने लगी है फिर भी यूरो क्षेत्र में विकास की दर अनियमित और कमजोर बनी हुई है। इसके विपरीत, अनेक उभर रही विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर बहुत तेजी से बढ़ रही है। तथापि, चिंता का प्रमुख कारण तेल और पण्य वस्तुओं की बढ़ रही कीमतें हैं, जो मुद्रास्फीति और मुद्रास्फीति की संभावनाओं को बढ़ा रही हैं।

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में अपना ऊँचा स्थान बरकरार रखे हुए है। वर्ष 2010-11 में इसकी जीडीपी की विकास दर लगभग 8.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। विकास दर की परिधि का विस्तार हुआ है। इसका प्रभाव कृषि क्षेत्र में हुए सुधार और सेवा क्षेत्र के लाभ में हुई शानदार वृद्धि में परिलक्षित हुआ। हालांकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक लगातार घटता-बढ़ता रहा, अन्य संकेतक जैसे विस्तारशील क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई), उच्चतर कर उगाही, निर्यातों में तेजी और बैंक ऋणों के उठाव से परिलक्षित होता है कि विकास दर लगातार तेज बनी रहेगी। कम जोखिम, ऊर्जा और कमोडिटी की कीमतों पर लगातार दबाव बनाए हुए है। इससे निवेश का परिवेश प्रभावित हो सकता है, जो वर्तमान विकास दर के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है। इसलिए मुद्रास्फीति को काबू में रखना अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ऐसी स्थिति में, बीते वर्ष में स्टेट बैंक समूह का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 2010 के ₹ 24,799 करोड़ के स्तर से 34.04% बढ़कर ₹ 33,240 करोड़ पर पहुँच गया। इससे पता चलता है कि समूह का प्रमुख कारोबार बढ़िया रहा।

From the Chairman's Desk

Dear Shareholders,

It is my privilege to place before you highlights of your Bank's performance during the financial year 2010-11. Details of the achievements and initiatives taken by your Bank are provided in the enclosed Annual Report for the year 2010-11.

Outlook for global growth has improved, but risks remain. While growth in the United States is gaining traction, recovery in the Euro Area is uneven and fragile. In contrast, many emerging and developing economies are seeing robust growth. The major concern, however, is rising global oil and commodity prices that are fanning inflation and inflation expectations.

India remains one of the fastest growing major economies in the world, with GDP growth at 8.5% in 2010-11. Growth has been broad based with a rebound in the agriculture sector and impressive gains in services. Even as the Index of Industrial Production continues to be volatile, other indicators such as expansionary Purchasing Managers' Index (PMI), higher tax collections, buoyant exports and bank credit suggest that the growth momentum persists. The downside risk is continuing pressure on energy and commodity prices that may undermine the investment climate, posing a threat to the current growth trajectory. Therefore, keeping a check on inflation remains a great challenge for the economy.

Against this background, in the year gone by, the State Bank Group's operating profit rose by 34.04% to ₹ 33,240 crores in FY'11 from ₹ 24,799 crores in FY'10, showing that core operations remain robust.

परंतु, आपके बैंक को वर्ष के दौरान पहले की तुलना में भारी भरकम प्रावधान करने पड़े। ये प्रावधान विशेष गृह ऋणों तथा ऋणों पर पहले से अधिक प्रावधान सुरक्षा अनुपात के संबंध में नियामकों की पहले की तुलना में अधिक प्रावधान करने की अपेक्षाओं के चलते करने पड़े। प्रावधान की ये अपेक्षाएँ विवेकसम्मत अपेक्षाओं से कहीं अधिक हैं। विशेष गृह ऋणों पर शुरुआती वर्षों में ब्याज दर कम रहती है, इसलिए भारतीय रिज़र्व बैंक की बैंकों से अपेक्षा रहती है कि वे इन ऋणों पर 0.4% की सामान्य दर से 2% अधिक प्रावधान करें क्योंकि इन ऋणों को अपेक्षाकृत अधिक जोखिम वाला माना जाता है। आपके बैंक ने इन ऋणों के संबंध में बहुत ही संतुलित हामीदारी नीतियों को अपनाया है। ये सभी ऋण मानक श्रेणी के हैं। इसलिए प्रावधान की यह अतिरिक्त राशि उस समय बैंक की बहियों में वापस डाल दी जाएगी जब इन ऋणों पर फिर से सामान्य ब्याज दरें लागू होने लगेंगी। इसी तरह, प्रावधान सुरक्षा अनुपात बढ़ाने के लिए एसबीआई की करीब 59% की आस्तिवार प्रावधान सुरक्षा के स्थान पर 70% प्रावधान सुरक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बढ़ाया गया प्रावधान सुरक्षा अनुपात भी बैलेंस शीट में अतिरिक्त प्रावधान के रूप में है। इन ऋणों में निहित जोखिमों के कम होते ही इन अतिरिक्त प्रावधानों को बैंक की बहियों में वापस डाल दिए जाने की उम्मीद है।

आपके बैंक को वेतन संशोधन और ग्रेच्युटी की उच्चतम सीमा में वृद्धि किए जाने के कारण बढ़ने वाली सेवानिवृत्ति हितलाभों संबंधी अतिरिक्त देयता के लिए भी भारी भरकम प्रावधान करने पड़े। इस कारण और पहले की तुलना में अधिक कर प्रावधान करने के चलते शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2009-10 के स्तर ₹ 9,166 करोड़ से 9.84% कम होकर ₹ 8,265 करोड़ रह गया।

वेतन संशोधन के कारण पूर्ववर्ती वर्षों (2007-10) की अतिरिक्त पेंशन लागत के चलते रिज़र्व्स में से सीधे सीधे ₹ 7,927 करोड़ की राशि का प्रावधान भी करना पड़ा। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि रिज़र्व्स में से ये प्रावधान करने के बावजूद आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 9% के मानदंड से बहुत ऊपर है। बेसल II के अनुसार बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात मार्च 2011 के अंत में 11.98% (टियर I : 7.77%) है जबकि मार्च 2010 के अंत में यह 13.39% था।

सहयोगी बैंकों के शुद्ध लाभ में 21.62% की वृद्धि हुई और यह वित्त वर्ष 2010 के ₹ 2,959 करोड़ के मुकाबले ₹ 3,598 करोड़ के स्तर पर पहुँच गया।

उत्तरोत्तर प्रतिस्पर्धा बढ़ने से आपके बैंक द्वारा नीची ब्याज दरें रखे जाने का अच्छा फल मिला। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) वित्त वर्ष 2011 में 66 आधार अंक बढ़कर 3.32% रहा जबकि वित्त वर्ष 2010 में यह 2.66% रहा था। ऐसा दिए ब्याज (3.27%) की तुलना में ब्याज आय में (14.65%) की तेज वृद्धि के कारण हुआ। ऋणों में 20.32% की वृद्धि होने से अग्रिमों पर ब्याज आय में वित्त वर्ष 2011 में वर्ष-दर-वर्ष 18.45% की वृद्धि हुई जबकि वित्त वर्ष 2010 में 9.11% की वृद्धि हुई थी। दिए गए ब्याज में वृद्धि मुख्यतया कासा जमाराशियों में हुई 22.14% की वृद्धि के कारण थम गई। इस कारण, शुद्ध ब्याज आय में 37.41% वृद्धि दर्ज की गई और यह ₹ 32,526 करोड़ पर पहुँच गई जबकि वित्त वर्ष 2010 में 13.41% की वृद्धि हुई थी। शुल्क आय में भी वित्त वर्ष 2011 में 20% की खासी वृद्धि दर्ज की गई। गैर-ब्याज आय में 5.72% की वृद्धि हुई। यह वृद्धि निवेशों की बिक्री से होने वाले लाभ के बढ़ती ब्याज दरों के नीचे गिरकर ₹ 1,196 करोड़ पर आ जाने के बावजूद हुई। निवेशों की बिक्री पर हुए लाभ को छोड़कर गैर-ब्याज आय में 15.97% की वृद्धि हुई।

However, your Bank had to make substantially higher provisions during the year, on account of higher regulatory requirements in respect of special home loans as well as for higher provision coverage ratio on loans, in excess of prudential requirements. In regard to special home loans, which carry lower interest in the initial years, RBI required banks to provide higher provision of 2% (as against the usual rate of 0.4%), as these loans are considered riskier. Your Bank has adhered to very conservative underwriting policies in respect of such loans, which are all Standard. As such, the additional provision would, therefore, be written back in the Bank's books, when these loans revert to the usual card rates of interest. Similarly, the additional provision for enhancing the provision coverage ratio (so as to reach a coverage of 70%, as against the specific asset-wise coverage of around 59% for SBI) is also in the nature of additional comfort in the balance sheet and is expected to be written back when the underlying exposures are resolved.

Your Bank has also been required to make substantial provisions towards additional liability for enhanced superannuation benefits, arising out of wage revision and increase in the ceiling of gratuity. These, along with higher tax provisions, have led to a decrease of 9.84% in net profit, at ₹ 8,265 crores, compared to ₹ 9,166 crores in 2009-10.

Provision for an amount of ₹ 7,927 crores was also made by directly charging to reserves, on account of the additional pension cost in respect of earlier years (2007-10), due to wage revision. I am happy to share with you that despite this drawdown from reserves, your Bank's capital adequacy remains well above the 9% norm stipulated by RBI. As per Basel II, the capital adequacy ratio of the Bank was 11.98% (Tier I : 7.77%) at the end of March'11 (against 13.39% at the end of March'10).

Net profit of Associate Banks increased by 21.62% to reach a level of ₹ 3,598 crores in FY'11 from ₹ 2,959 crores in FY'10.

In an increasingly competitive scenario, your Bank's focus on efficiency has paid off. Net Interest Margin (NIM) rose by 66 bps to 3.32% in FY'11 from 2.66% in FY'10, due to faster increase in interest income (14.65%) than interest expenses (3.27%). Driven by loan growth of 20.32%, interest income on advances has increased by 18.45% yoy in FY'11 against a growth of 9.11% in FY'10. Growth in interest expenses was contained mainly due to CASA deposits growth of 22.14%. Consequently, net interest income increased by 37.41% to ₹ 32,526 crores against 13.41% rise recorded in FY'10. Fee income also recorded a handsome rise of 20% in FY'11. Non interest income rose by 5.72% despite profit on sale of investments declining by ₹ 1,196 crores in a rising interest rate scenario. Excluding profit on sale of investments, non interest income is up by 15.97%.

परिचालन खर्च में वित्त वर्ष 2010 की 29.84% वृद्धि की तुलना में वित्त वर्ष 2011 में 13.27% की कम वृद्धि हुई। इस कारण आपके बैंक का खर्च-आय अनुपात वित्त वर्ष 2011 में 50% के मनोवैज्ञानिक स्तर से गिरकर 47.60% पर आ गया जो वित्त वर्ष 2010 में 52.59% पर था। जमाराशियों की औसत लागत मार्च 2010 के स्तर 5.80% से 54 आधार अंक गिरकर मार्च 2011 में 5.26% पर आ गई, तथापि यह दिसंबर 2010 के स्तर से क्रमिक रूप से 5.20% से अधिक है। इसी अवधि में अग्रिमों पर प्रतिफल 9.66% के स्तर से 10 आधार अंक कम 9.56% और दिसंबर 2010 में 2 आधार अंक कम 9.58% पर रहा।

आपके बैंक की जमाराशियों में मार्च 2010 के स्तर ₹ 8,04,116 करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 16.14% की वृद्धि हुई और कासा जमाराशियों में 22.14% की वृद्धि के कारण मार्च 2011 में यह ₹ 9,33,933 करोड़ रहीं। बचत बैंक जमाराशियों में 26.20% की खासी वृद्धि होने से कासा जमाराशियों का अनुपात मार्च 2010 के 46.67% से 199 आधार अंक बढ़कर मार्च 2011 मे 48.66% हो गया। आपको यह देखकर प्रसन्नता होगी कि उत्तरोत्तर बढ़ती प्रतिस्पर्धा वाले परिवेश में कुल जमाराशियों के मामले में आपके बैंक की बाजार में हिस्सेदारी मार्च 2010 के 16.29% के मुकाबले 11 आधार अंक बढ़कर मार्च 2011 में 16.40% हो गई। इसी अवधि में कम लागत वाली मांग जमाराशियों में बैंक का बाजार अंश 17.33% से 90 आधार अंक ऊपर 18.23% रहा।

आपके बैंक के कुल अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 20.32% की वृद्धि दर्ज की गई और ये मार्च 2010 के स्तर ₹ 6,41,480 करोड़ से मार्च 2011 में ₹ 7,71,802 करोड़ पर पहुँच गए। मार्च 2011 के अंत में देश में ऋण जमा अनुपात 76.32% रहा जो मार्च 2010 के अंत के 73.56% से 276 आधार अंक अधिक था। बीच में, दिसंबर 2010 के अंत में इसमें 77.22% के स्तर से गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट वित्त वर्ष 2011 की चौथी तिमाही में जमाराशियों में पहले से अधिक वृद्धि होने के कारण आई।

आपके बैंक के अग्रिम सभी खंडों में अच्छी मात्रा में उपलब्ध कराए गए। बड़े कारपोरेट अग्रिम मार्च 2010 के स्तर ₹ 88,137 करोड़ से 23.38% बढ़कर मार्च 2011 में ₹ 1,08,741 करोड़ पर पहुँच गए। मध्य कारपोरेट अग्रिम ₹ 1,31,939 करोड़ से बढ़कर ₹ 1,57,565 करोड़ पर पहुँच गए और इस प्रकार इनमें वर्ष-दर-वर्ष 19.42% की वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा अग्रिमों में 22.04% की वृद्धि हुई। ये मार्च 2010 के स्तर ₹ 1,34,849 करोड़ से बढ़कर मार्च 2011 में ₹ 1,64,576 करोड़ के हो गए। यह वृद्धि मुख्यतया गृह ऋणों में 21.88%, वाहन ऋणों में 48.01% और शिक्षा ऋणों में 23.27% वृद्धि होने के कारण हुई।

बैंक के एसएमई अग्रिमों में 22.80% की वृद्धि हुई। ये मार्च 2010 में ₹ 97,459 करोड़ थे जो मार्च 2011 के अंत में ₹ 1,19,676 करोड़ पर पहुँच गए। कृषि अग्रिमों में 21.18% की बढ़ोतरी हुई और ये ₹ 94,826 करोड़ के हो गए। अंतरराष्ट्रीय अग्रिम मार्च 2010 के स्तर ₹ 97,072 करोड़ से 12.66% बढ़कर मार्च 2011 में ₹ 1,09,358 करोड़ पर पहुँच गए।

ऋणों में बढ़ोतरी के साथ साथ आपका बैंक आस्ति गुणवत्ता के प्रति भी सजग रहा। हालांकि मार्च 2011 में एनपीए 3.28% पर थे जो मार्च 2010 के 3.05% के मुकाबले अधिक है, पर अधिक मात्रा में प्रावधान करने के कारण शुद्ध एनपीए इसी अवधि में 1.72% से कम होकर 1.63% पर आ गए। सितंबर 2010 में 70 प्रतिशत प्रावधान करने की शर्त को पूरा करने के लिए एसबीआई को ₹ 3,430 करोड़ की प्रति चक्रीय राशि सुरक्षित रखनी पड़ी थी। इसमें से बैंक ने मार्च 2011 में ₹ 2,330 करोड़ की राशि अलग रखी।

With lower growth in operating expenses at 13.27% in FY'11 against growth of 29.84% in FY'10, your Bank's cost–income ratio fell below the psychological threshold of 50% to 47.60% in FY'11 from 52.59% in FY'10. Average cost of deposits has come down by 54 bps to 5.26% in March'11 from 5.80% in March'10, though sequentially it is up from 5.20% in December'10. In the same period, the yield on advances at 9.56% was 10 bps lower than 9.66% and 2 bps lower than 9.58% in December'10.

Deposits of your Bank rose to 16.14% yoy from ₹ 8,04,116 crores in March'10 to ₹ 9,33,933 crores in March'11, driven by CASA growth of 22.14%. With sustained 26.20% rise in Savings Bank deposits, CASA ratio improved from 46.67% in March'10 to 48.66% in March'11, an increase of 199 bps. You will be happy to see that in an increasingly competitive environment, your Bank's market share in total deposits at 16.40% in March'11 was 11 bps higher than 16.29% in March'10. In the same period, your Bank's market share in low cost demand deposits at 18.23% was 90 bps higher than 17.33%.

Gross Advances of your Bank recorded a yoy growth of 20.32% from ₹ 6,41,480 crores in March'10 to ₹ 7,71, 802 crores in March'11. Credit Deposit Ratio (Domestic) at 76.32% as at the end of March'11 was 276 bps higher than 73.56% at the end of March'10; sequentially, however, it has declined from 77.22% at the end of December'10 due to higher growth in deposits in Q4FY'11.

Your Bank's advances remain well distributed across all verticals. Large Corporate advances have grown from ₹ 88,137 crores in March'10 to ₹ 1,08,741 crores in March'11, registering a growth of 23.38%. Mid-Corporate Advances increased from ₹ 1,31,939 crores to ₹ 1,57,565 crores thereby registering a yoy growth of 19.42%. Retail advances grew 22.04% from ₹ 1,34,849 crores in March'10 to ₹ 1,64,576 crores in March'11, mainly driven by 21.88% rise in Home loans, 48.01% in Auto Loans and 23.27% in Education Loans.

SME Advances of the Bank rose by 22.80% from ₹ 97,459 crores in March'10 to ₹ 1,19,676 crores as at the end of March'11, while Agri advances rose 21.18% from ₹ 78,250 crores to ₹ 94,826 crores. International advances went up by 12.66% from ₹ 97,072 crores in March'10 to ₹ 1,09,358 crores in March'11.

Along with increase in credit, your Bank is conscious about asset quality. Though gross NPAs stood at 3.28% in March'11 against 3.05% in March'10, increased provisioning saw net NPAs move down from 1.72% to 1.63% in the same period. To comply with the 70 per cent provision coverage as of September 2010, SBI had to create a ₹ 3,430 crores of counter cyclical buffer. Of this, the Bank has set aside ₹ 2,330 crores by March 2011.

ग्राहक के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराते हुए आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने के लिए अनेक नवोन्मेषी प्रयास किए। अनेक प्रकार की मोबाइल बैंकिंग सेवाएँ जैसे पैसा ट्रांस्फर करने के लिए अनुरोध, पूछताछ सेवाएं, डीमैट खाता संबंधी पूछताछ, चैक बुक के लिए अनुरोध, बिल भुगतान, मोबाइल टॉप अप, डी टी एच रीचार्ज, एसबीआई लाइफ प्रीमियम भुगतान, टोल टैक्स अदा करने के लिए ई-टैग रीचार्ज, मर्चेंट भुगतान और अंतर बैंक मोबाइल भुगतान सेवाएँ (आईएमपीएस) वर्तमान में उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान एसएमएस बैंकिंग प्रारंभ की गई। मोबाइल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वालों की संख्या वर्ष के अंत तक दस लाख को पार कर गई।

दो नए व्यवसाय अर्थात कस्टोडियल सेवाएँ और साधारण बीमा सफलतापूर्वक प्रारंभ किए गए और इन्हें सुस्थापित किए जाने की प्रक्रिया जारी है। सात प्रमुख क्षेत्रों अर्थात मोबाइल बैंकिंग, मर्चेंट अधिग्रहण व्यवसाय, एसएमई चालू खाता और सप्लाई चेन वित्तपोषण, बचत बैंक, नकदी प्रबंध उत्पाद, अनिवासी भारतीय धनप्रेषण और सरकारी व्यवसाय का चयन किया गया है जिससे आक्रामक कारोबारी योजनाओं के लिए रणनीतियाँ तैयार की जा सकें, प्रक्रियाओं को बेहतर बनाया जा सके और संगठनात्मक स्तर पर उनके अनुरूप संरचनाएँ स्थापित की जा सकें।

आपका बैंक कम से कम लागत पर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एसबीआई टाइनी कार्ड, इंटरनेट समर्थित पीसी (कियो) पर कियो बैंकिंग का संचालन किया जा रहा है। कुछ केंद्रों पर बायोमेट्रिक पहचान की भी व्यवस्था की गई है। व्यवसाय प्रतिनिधियों / व्यवसाय सुलभकर्ताओं आदि की नियुक्ति की गई है। स्वयं सहायता समूह बैंक ऋण जुड़ाव कार्यक्रम में बैंक बाजार में सबसे आगे है (31.03.2010 को बाजार अंश लगभग 29.88% था)। इसके अंतर्गत अब तक 18.90 लाख स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराए गए हैं (वित्त वर्ष 2011 के दौरान 1.78 लाख स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराए गए) और 31.03.2011 तक कुल मिलाकर ₹ 14,500 करोड़ की राशि के ऋण संवितरित किए गए। स्वयं सहायता समूह क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह सहयोग निवास और स्वयं सहायता समूह स्वर्ण कार्ड प्रारंभ किए गए हैं। व्यष्टि बीमा उत्पाद-ग्रामीण शक्ति की परिधि बढ़ाई गई है और अब तक 1.14 मिलियन लोगों के जीवन बीमा किए जा चुके हैं। बाह्य माध्यमों से सेवा प्रदान करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए आपके बैंक ने 31 मार्च 2011 को 2000 से अधिक की जनसंख्या वाले 6,599 बैंक रहित आबंटित गांवों में अपनी सेवाएँ मुहैया कराईं जबकि वर्ष के लिए 5261 गाँवों का लक्ष्य था। आपका बैंक सरकारी प्रसुविधाओं के भुगतान की परियोजना इलेक्ट्रानिक प्रसुविधा अंतरण (ईबीटी) के क्षेत्र में एक बड़ा खिलाड़ी है और छह राज्यों में इसकी भागीदारी है। लगभग 24 लाख लाभार्थियों को बीसी चैनल के माध्यम से सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एसबीआई पहला ऐसा बैंक है जिसने रजिस्ट्रार बनने के लिए यूआईडीएआई के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पंजीकरण सूचना का उपयोग 'यूआईडी समर्थित' खाते खोलने में किया जाएगा। राज्य सरकारों के बाद एसबीआई ने 31.03.2011 तक सर्वाधिक 9.50 लाख से अधिक पंजीकरण किए हैं।

आपका बैंक विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति लगातार बढ़ाता जा रहा है। विदेश स्थित कार्यालयों की संख्या 31 मार्च 2010 को 142 थी जो 31 मार्च 2011 को बढ़कर 156 हो गई। ये कार्यालय 32 देशों में फैले हैं। विदेश स्थित शाखाओं (अनुषंगियों को छोड़कर) का आस्ति स्तर मार्च 2010 में 27.78 बिलियन अमरीकी डॉलर से 15% बढ़कर मार्च 2011 में 31.87 बिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुँच गया। वित्त वर्ष 2011 के दौरान ग्राहक ऋणों में 13% की वृद्धि हुई और ये 21,561 मिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर से बढ़कर 24,371 मिलियन

Reaffirming its commitment to the customer, your Bank has taken several new initiatives to expand the bouquet of choices for its customers. A host of Mobile Banking services such as Fund Transfers, Enquiry Services, Demat Account Enquiry, Cheque book request, Bill payment, Mobile top up, DTH recharge, SBI Life Premium Payment, E-tag recharge to pay toll tax, Merchant payments and Inter Bank Mobile Payment Services (IMPS) are currently being offered. SMS Banking was introduced during the last quarter of the year. The Mobile Banking user base has crossed one million by the end of the year.

Two new lines of business viz. Custodial Services and General Insurance have been successfully set up and are in the process of stabilization. Seven niche areas viz. Mobile Banking, Merchant Acquisition Business, SME Current account and Supply Chain Finance, Savings Bank, Cash Management Product, NRI remittances and Government business have been identified for strategising aggressive business plans, improving processes and matching organizational structures.

Your Bank has leveraged technology to expand financial inclusion with minimal costs and offers SBI Tiny Card, Kiosk Banking operated at internet enabled PC (Kiosk) with bio-metric validation at select centres, appointing Business Correspondents / Business Facilitators, etc. The Bank is the market leader (market share around 29.88% as on 31.03.2010) in SHG-Bank Credit Linkage programme having credit linked so far 18.90 lac SHGs (1.78 lac SHGs credit linked during FY'11) and disbursed loans to the extent of ₹ 14,500 crores (cumulative) up to 31.03.2011. Several unique products like SHG Credit Card, SHG Sahayog Niwas and SHG Gold Card have been rolled out. Coverage of Micro Insurance product - Grameen Shakti has been extended and so far 1.14 million lives have been covered. To expand its outreach, your Bank has covered 6,599 allocated unbanked villages with population more than 2000 as at 31st March 2011 as against the target of 5,261 villages for the year. Your Bank is a major player in Electronic Benefit Transfer (EBT) project of Government benefit payments, with participation in six States and about 24 lac beneficiaries have been serviced through the BC channel.

I am happy to place on record that SBI is the first Bank to sign MoU with UIDAI to become a Registrar. The enrolment data will be used for opening ‘UID enabled’ accounts. After State Governments, SBI is the top enroller with more than 9.50 lac enrollments done up to 31.03.2011.

Your Bank has been steadily expanding its global footprints. The number of foreign offices increased from 142 as on 31st March 2010 to 156 as on 31st March 2011 spread across 32 countries. The asset level of foreign branches (excluding subsidiaries) rose by 15%, from USD 27.78 billion in March 2010 to USD 31.87 billion in March 2011. During FY’11, net customer credit grew by 13% from USD 21,561 million to USD 24,371 million, customer deposits grew by

अमरीकी डॉलर पर पहुँच गए। ग्राहक जमाराशियों में भी 15% की वृद्धि हुई और ये 9,568 मिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर से बढ़कर 11,030 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गईं। शुद्ध लाभ भी 50% बढ़कर 330 मिलियन अमरीकी डॉलर पर जा पहुँचा।

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने 31 मार्च 2008 से बेसल 2 संरचना को अपना लिया है। बैंक ऋण जोखिमों का आकलन मानकीकृत पद्धति और परिचालन जोखिम का आकलन मूल संकेतक पद्धति के आधार पर करता है। बैंक बाजार जोखिम के आकलन के लिए 31 मार्च 2006 से मानकीकृत अवधि पद्धति कार्यान्वित कर चुका है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपके बैंक द्वारा एक सुरक्षित, ठोस, बृहद वैन नेटवर्क अपने स्वयं के उपकरणों द्वारा निर्मित किया गया है। यह नेटवर्क लीज लाइनों, वी सैट और सीडीएमए टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्टेट बैंक समूह की 19,347 शाखाओं/कार्यालयों और 25,005 एटीएमों को जोड़ता है। स्टेट बैंक समूह ने वर्ष के दौरान 25,000 वां एटीएम शुरू करके एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। देश में स्थित शाखाओं में सीबीएस की शुरुआत आधुनिकतम केंद्रीकृत आधारभूत संरचना के आधार पर की गई है। इससे बैंक का कारोबार निर्बाध संचालित हो रहा है। इससे भविष्य में बड़े पैमाने पर बढ़ने वाले कारोबार का संचालन किया जा सकेगा। यह बहुविध वैकल्पिक माध्यमों से जुड़ा है, इससे लेन-देन की लागत में भी कमी आई है, कारोबार पहले की तुलना में कम खर्च में संचालित हो रहा है। एक दिन में सर्वाधिक 52 मिलियन लेन-देन प्रविष्टियाँ संपन्न हुईं अर्थात एक सेकंड में 1861 लेन-देन प्रविष्टियाँ निष्पादित हो जाती हैं। हालिया महीनों में 258 मिलियन खातों का संचालन हो रहा है। परिचालन स्तर पर बैंककर्मियों को लेन-देन प्रविष्टि की आन लाइन साथ साथ जांच करने की भी इसमें व्यवस्था उपलब्ध है। ई-ट्रेड इंटरनेट आधारित फ्रंट एंड अप्लीकेशन कारपोरेट ग्राहकों के लिए शुरू की गई है जिससे वे अपने विभिन्न प्रकार के व्यापार वित्त लेन-देन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

आपका बैंक अपने ग्रीन बैंकिंग अभियान के माध्यम से निरंतर विकास की प्रक्रिया को बल प्रदान कर रहा है। आपके बैंक ने देश भर में चुनिंदा शाखाओं में 1 जुलाई 2010 को अपने ग्रीन चैनल काउंटर की शुरुआत की जिससे कागज का उपयोग कम करने और लेन-देन में लगने वाले समय की बचत करने में सहायता मिल रही है। पवनचक्कियाँ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात में सफलतापूर्वक स्थापित की गई हैं और इससे उत्पन्न बिजली से हमारी शाखाओं / कार्यालयों में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। ऊर्जा बचत के अन्य उपायों में सौर एटीएमों की स्थापना करना भी शामिल है। ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने के लिए ग्राहकों को प्रेरित करने के लिए उन्हें रियायती ब्याज दरों पर परियोजना ऋण दिए जा रहे हैं। उन्हें नवीनतम प्रौद्योगिकी अंगीकृत करके किफायती निर्माण प्रणालियाँ अपनाने के लिए उत्साहित किया जा रहा है। आपके बैंक द्वारा कार्बन उत्सर्जन स्तर के मापन के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई है जिससे कम खर्च में निरंतर ऊर्जा का उपयोग करने में सहायता मिलेगी।

आपके बैंक के सहयोगी और अनुषंगी लगातार बढ़िया विकास दर दर्ज कर रहे हैं। वर्ष के दौरान एसबीआई लाइफ का कुल प्रीमियम ₹ 12,000 करोड़ के स्तर को पार कर गया और कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2011 में ₹ 366 करोड़ का लाभ दर्ज किया गया। वर्ष-दर-वर्ष शानदार विकास दर अर्जित करके इसने अपना बाजार अंश वित्त वर्ष 2010 के स्तर 18% से बढ़ाकर 19.22% कर लिया। एसबीआई को संगठनात्मक उत्कर्ष के लिए एनडीटीवी प्रॉफिट बिजनेस लीडरशिप 2010-11 अवार्ड प्राप्त हुआ। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. ने वित्त वर्ष 2011 के दौरान ₹ 374.72 करोड़ का कर पश्चात लाभ अर्जित किया जबकि वित्त वर्ष 2010 में यह ₹ 137.12 करोड़ रहा था। इस प्रकार इसमें 172% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि शुल्क आय में हुई 81% की और

15%, from USD 9,568 million to USD 11,030 million and net profit rose by 50%, to USD 330 million.

In accordance with RBI guidelines, the Bank has migrated to the Basel II framework, with the Standardised Approach for Credit Risk and Basic Indicator approach for Operational Risk w.e.f. March 31, 2008, having already implemented the Standardised Duration Method for Market Risk w.e.f. March 31, 2006.

In the realm of Information Technology, your Bank has implemented a secure, robust scalable WAN architecture network built with equipments owned by SBI, connecting 19,347 Branches/Offices and 25,005 ATMs of State Bank Group through leased lines, VSATs and CDMA technology. The State Bank Group crossed an important milestone of rolling out 25,000th ATM during the year. CBS roll out across the domestic branches is supported with a state-of-the-art centralized infrastructural setup, providing uninterrupted continuity of the Bank's operations. It facilitates the scalability for future growth, interfacing with multiple alternate channels, reduction in transaction costs, improved operating efficiency. Milestones of 52 million peak transactions in a day, 1,861 transactions per second and managing 258 million accounts have been achieved in recent months. Operatives have been provided with tools for on-line real time transaction verification. E-Trade – internet based front end application have been rolled out for corporate customers for processing various trade finance transactions.

Your Bank has been supporting sustainable growth through its Green Banking initiatives. Your Bank launched its 'Green Channel Counter' on the 1st July 2010, at select branches across the country, for reduction in paper usage as well as saving of transaction time. Windmills have been successfully commissioned in Maharashtra, Tamil Nadu and Gujarat and power thus generated is being wheeled to our branches/offices. Other energy efficient measures include installation of Solar ATMs. To encourage customers to reduce emission of Green House Gases your Bank has been extending project loans on concessionary interest rates, encouraging them to adopt efficient manufacturing practices through acquisition of latest technology. A pilot project to map its Carbon footprint levels has been launched by your Bank which will help in sustainable usage of energy in a cost effective way.

Your Bank's Associates and Subsidiaries continued to show robust growth. During the year, gross premium of SBI Life crossed the ₹ 12,000 crores mark and the company recorded a profit of ₹ 366 crores in FY'11, clocking an impressive yoy growth of 33% and raising its market share to 19.22% from 18% in FY'10. SBI Life received the NDTV Profit Business Leadership 2010-11 award for organisational excellence. SBI Capital Markets Ltd. posted a PAT of ₹ 374.72 crores during FY'11 against ₹ 137.12 crores in FY'10, a yoy growth of

इन्फ्रास्ट्रक्चर समूह की आय में 85% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के कारण हुई। मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एसबीआई कैप्स को थॉमसन रॉयटर्स द्वारा लगातार दूसरे वर्ष ग्लोबल पीएफ लोन के लिए नंबर वन मैंडेटिड लीड अरेंजर, डीलॉजिक द्वारा लगातार दूसरे वर्ष ग्लोबल पीएफ लोन के लिए सर्वश्रेष्ठ मैंडेटिड लीड अरेंजर, थॉमसन रायटर्स द्वारा लगातार तीसरे वर्ष एशिया प्रशांत क्षेत्र का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बैंक और आईएफआर एशिया द्वारा लगातार दूसरे वर्ष लोन हाउस आफ द इयर अवार्ड प्राप्त हुए।

पिछले तीन वर्षों में लगातार हानियाँ दर्ज करने के पश्चात एसबीआई कार्ड्स ने शानदार वापसी की और वित्त वर्ष 2011 में ₹ 7.10 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। कंपनी सर्वाधिक विश्वसनीय क्रेडिट कार्ड ब्रांड रही। इसे रीडर्स डाइजेस्ट ट्रस्टेड ब्रांड्स सर्वे 2010 में निर्विवादित गोल्ड अवार्ड विजेता चुना गया। एसबीआई पेंशन फंड ने 31 मार्च 2011 को ₹ 3,764 करोड़ की प्रबंध अधीन आस्तियाँ (एयूएम) दर्ज की गईं और यह सरकारी और असंगठित क्षेत्र दोनों में क्रमश: 44% और 64% हिस्सेदारी के साथ प्रबंध अधीन आस्तियों के मामले में सबसे आगे रहा।

आपके बैंक ने अनेक अवार्ड हासिल किए। इनमें कुछ इस प्रकार हैं - एसबीआई होम लोन ने भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले लोन में अपना अग्रणी स्थान बरकरार रखा और सीएनबीसी आवाज कंज्यूमर अवार्ड्स में वर्ष 2006 के बाद लगातार पांच वर्षों से इसे यह स्थान हासिल है । मोबाइल बैंकिंग क्षेत्र में आपके बैंक को जून 2010 में मोबाइल बैंकिंग और भुगतान समाधान में सूचना प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रतिष्ठित आईडीआरबीटी अवार्ड प्राप्त हुआ। अन्य अवार्डों में ग्रीन एटीएम की स्थापना करने के लिए दि बैंकर पत्रिका द्वारा बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड 2010, नेसकॉम सीएनबीसी आईटी यूजर अवार्ड 2010, वीज़ा 2009 ग्लोबल सर्विस अवार्ड बैंक के एटीएम सह-डेबिट कार्ड लेन-देन को पूरा करने में सबसे कम समय लेने के लिए, आईबीए टेक्नोलॉजी अवार्डों के अंतर्गत बेस्ट कस्टमर इनिशिएटिव और बेस्ट ऑनलाइन बैंकिंग अवार्ड दिया गया।

मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने 31मार्च 2011 को समाप्त वर्ष के लिए भी ₹ 30 प्रति शेयर (300%) की दर से लाभांश की घोषणा की है।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर विकास दर में ऊर्जा का संचार कर नव जीवन प्रदान करने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। आपका बैंक भारत और विदेश दोनों में इस विकास के चलते उत्पन्न होने वाले वित्तपोषण के नए अवसरों के प्रति सजग रहेगा। इसके साथ साथ अपनी प्रमुख शक्तियों को लगातार बढ़ाने और नई से नई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रयासरत रहेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

प्र. चौधरी

(प्रतीप चौधरी)

172%, driven by an increase of 81% in fee income, and 85% yoy growth in revenue for infrastructure Group. I am happy to announce that SBI Caps was ranked No. 1 Mandated Lead Arranger for Global PF Loan for the second successive year by Thomson Reuters, Mandated Lead Arranger Global PF Loans for second consecutive year by Dealogic, Bank of the Year award for Asia Pacific for third consecutive year by Thomson Reuters and Loan House of the Year Award for the second consecutive year by IFR Asia.

After recording continuous losses for preceding three years, SBI Cards has scripted an impressive turnaround and posted a net profit of ₹ 7.10 crores in FY'11. The company remained the most trusted credit card brand by being the undisputed Gold Award winner in the Reader's Digest Trusted Brands Survey 2010. SBI Pension Fund recorded AUM of ₹ 3,764 crores as on 31st March 2011 and remained the leader in both Government and unorganised sector in respect of AUM with a share of 44% and 64% respectively.

Your Bank has received several awards. To name a few, SBI Home Loan has maintained its position as India's "Most Preferred Home Loan" brand in CNBC-Awaaz consumer awards continuously for five years since 2006. In the Mobile Banking space, in June 2010 your Bank received the Prestigious IDRBT award for 'Best use of technology for mobile banking and payment application.' Other awards include The Banker - Innovation in Banking Technology Award 2010 for GREEN ATM installation, the NASSCOM CNBC IT User Award 2010, VISA 2009 Global Service Award under which the Bank's ATM cum debit card was declared to have the lowest transaction response time, and IBA Technology Award: Best Customer Initiative and Best Online Banking.

I am happy to announce that the Board of Directors of your Bank has declared a dividend @ ₹ 30 per share (300%) for the year ended 31st March 2011 also.

Going forward, the Indian economy is seen as one of the engines powering growth and reshaping the global landscape. Your Bank will remain alert to the new opportunities for financing this growth both in India and abroad, while at the same time continuing to consolidate and build on its core competencies.

With warm regards,

Yours sincerely,

(PRATIP CHAUDHURI)